

पहले मुख्य समाचार।

- ब्रिक्स शिखर सम्मेलन—दो हजार छब्बीस के पहले दिन ब्रिक्स देशों ने सर्वसम्मति से अपनाया नई दिल्ली घोषणा पत्र। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा— साझा संकल्प को परिणामों में बदलना सदस्य देशों की सामूहिक जिम्मेदारी।
- प्रधानमंत्री के पच्चीस वर्ष के सेवा काल को लेकर सत्रह सितंबर से सत्रह अक्टूबर तक चलेगा प्रदेशव्यापी सेवा संकल्प अभियान। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा—प्रधानमंत्री ने विरासत और विकास को एक साथ आगे बढ़ाया।
- प्रदेश भर में आयोजित की गयी राष्ट्रीय लोक अदालत। निस्तारित किये गये मोटर वाहनों, पारिवारिक, राजस्व सहित विभिन्न प्रकार के शमनीय मामले।
- छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर में दो दिवसीय एआई मंथन का हुआ शुभारंभ। देशभर से आए विशेषज्ञों ने एआई की उपयोगिता पर किया विमर्श।

ब्रिक्स देशों ने सर्वसम्मति से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नई दिल्ली घोषणा पत्र को अपनाने का प्रस्ताव स्वीकार कर लिया है। कल नई दिल्ली के भारत मण्डप में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन—दो हजार छब्बीस के पहले ही दिन सत्र के अन्त में इस घोषणा पत्र को अपना लिया गया। अपने समापन भाषण में प्रधानमंत्री ने कहा कि अपनाया गया नई दिल्ली घोषणा पत्र सदस्य देशों के साझा संकल्प को स्पष्ट दिशा प्रदान करता है। उन्होंने कहा कि अब इन संकल्पों को ठोस परिणामों में बदलना उनकी साझा जिम्मेदारी है।

हमारे समक्ष ब्रिक्स न्यू दिल्ली डिक्लेरेशन 2026 का ड्राफ्ट प्रस्तुत है। इसमें हमारी चर्चाओं का सार प्रमुख वैश्विक और क्षेत्रीय विषयों पर हमारे दृष्टिकोण शामिल है। साथ ही ब्रिक्स कॉरपोरेशन को और सुदृढ़ करने की प्राथमिकताएं समाहित है। किसी सदस्य की ओर से आपत्ति व्यक्त नहीं की गई है। न्यू दिल्ली डिक्लेरेशन 2026 को सर्व सम्मति से एडप्ट किया जाता है।

आगामी सात अक्टूबर को गुजरात के मुख्यमंत्री और फिर देश के प्रधानमंत्री के रूप में शासन प्रमुख के तौर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के पच्चीस वर्ष पूरे हो रहे हैं। इस सेवा काल को लेकर प्रदेश सरकार और भाजपा संगठन मिलकर सत्रह सितंबर से सत्रह अक्टूबर तक प्रदेशव्यापी 'सेवा संकल्प अभियान' चलाएंगे। इसी क्रम में कल भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश कार्यालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने अभियान की कार्ययोजना साझा करते हुए कहा कि सत्रह सितंबर को प्रधानमंत्री का जन्मदिन प्रदेशभर में 'सेवा दिवस' के रूप में मनाया जाएगा। इस दिन हर ग्राम पंचायत, नगर निकाय और महत्वपूर्ण प्रतिष्ठान में आशीर्वाद का दीया जलाया जाएगा। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने देशवासियों को नए भारत का विजन दिया है।

प्रधानमंत्री के रूप में 26 मई 2014 से लेकर के उनकी जो ये यात्रा है, ये नए भारत का दर्शन पूरे भारतवासियों को कराता है। एक नया विजन उन्होंने देश को दिया। चाहे वह एक भारत श्रेष्ठ भारत का हो, चाहे वह आत्मनिर्भर और विकसित भारत का हो। इसके लिए व्यापक कार्ययोजना उन्होंने बनाई। वर्ल्ड क्लास इंफ्रास्ट्रक्चर देशवासियों को दिया। वेलफेयर की वे स्कीमें दी जो कभी लोग कल्पना भी नहीं कर सकते थे। फ्रेजाइल फाइव से दुनिया की टॉप फाइव इकॉनमी में भारत को स्थापित करने का एक मॉडल प्रस्तुत किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री की वडनगर से काशी तक की यात्रा को भी अभियान से जोड़ा गया है। उन्होंने काशी विश्वनाथ धाम, अयोध्या में श्रीराम जन्मभूमि पर मंदिर निर्माण और भव्य—दिव्य कुंभ का उल्लेख करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री मोदी ने विरासत और विकास को एक साथ आगे बढ़ाया है। कार्यक्रम में भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पंकज चौधरी, उत्तर प्रदेश के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय व कई अन्य गणमान्य उपस्थित रहे।

प्रदेश सरकार परिषदीय विद्यालयों में बच्चों से जुड़ी सूचनाओं की निगरानी, विद्यालयी प्रबंधन और शैक्षिक व्यवस्था को अधिक व्यवस्थित एवं जवाबदेह बनाने की दिशा में आगे बढ़ रही है। इसी क्रम में वर्ष छब्बीस—सत्ताइस के लिए एमआईएस यू—डायस प्लस और चाइल्ड ट्रैकिंग सिस्टम के प्रभावी संचालन एवं उपयोग के लिए छः करोड़ पचपन लाख रुपये जारी किए गए हैं। बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री संदीप सिंह ने कहा कि सरकार विद्यालयी व्यवस्था को अधिक पारदर्शी और जवाबदेह बनाने के साथ हर बच्चे की शैक्षिक प्रगति पर प्रभावी नजर सुनिश्चित कर रही है। एमआईएस और चाइल्ड ट्रैकिंग सिस्टम से बच्चों से जुड़ी जानकारी के बेहतर उपयोग को नई मजबूती मिलेगी।

प्रदेश भर में कल राष्ट्रीय लोक अदालत का आयोजन किया गया। इस दौरान एक करोड़ बीस लाख से अधिक मामलों का निस्तारण किया गया, जिसमें लगभग सौ करोड़ रुपये की धनराशि का सेटलमेंट हुआ। लोक अदालत में मोटर वाहनों, पारिवारिक, राजस्व समेत विभिन्न प्रकार के शमनीय मामले निस्तारित किये गए। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण की सदस्य सचिव डॉ मनु कालिया ने आयोजन को उत्साहजनक बताया।

बहुत दिनों से लोक अदालत का प्रचार प्रसार कर रहे थे हम लोग तो उसमें बहुत ही हमें उत्साह जनक जो रिस्पांस मिला है पेंडिंग केसेस जो लोक अदालत में जिनका निस्तारण हुआ है, जिसमें फौमिली कोर्ट अननसेशरी कंपाउंडेबल मैटर सिविल वाद और अन्य श्रेणी के वाद शामिल हैं और प्री लिटिगेशन के जो टोटल वाद हैं वह 1,15,24,062 हमारे पास आए हैं कि जिनका डिस्पोजल हुआ है।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कल लखनऊ विश्वविद्यालय में गोमती पुस्तक महोत्सव के पांचवे संस्करण का शुभारंभ किया। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि नौ दिनों तक चलने वाले गोमती पुस्तक महोत्सव—दो हजार छब्बीस में पुस्तकों के विमोचन के साथ लेखकों से संवाद और उनकी रचनात्मक यात्रा को समझने का अवसर भी मिलेगा। उन्होंने हर बच्चे को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पुस्तक 'एग्जाम वॉरियर्स' पढ़ने के लिये प्रेरित किया।

आपने देखा होगा प्रधानमंत्री जी की पुस्तक एग्जाम वॉरियर्स अभी मैं आ रहा था मैंने बच्चों को एग्जाम वॉरियर्स फिर वहां वितरित की। हर बच्चे को इसको देखना चाहिए, पढ़ना चाहिए और उसको आत्मसात करना चाहिए। केवल स्कूली छात्र के लिए ही नहीं है। हर युवा के लिए है, हर नागरिक के लिए है क्योंकि उसको किसी ना किसी अवसर पर किसी ना किसी परिस्थिति में उन परीक्षाओं के दौर से गुजरना पड़ता है।

लखनऊ को साहित्य का प्राचीन केन्द्र बताते हुए श्री योगी ने प्रदेश के उन स्थानों की चर्चा की जहां की कालजयी रचनाओं ने पूरी दुनिया का ध्यान खींचा है।

अनेक ऐसे साहित्यकार लखनऊ ने और लखनऊ के आसपास के क्षेत्र ने दिए हैं, जिन्होंने देश को अपनी कालजयी रचना के माध्यम से आकर्षित किया। इसी लखनऊ से 70 किलोमीटर की दूरी में नैमिषारण्य है। नैमिषारण्य में भारतीय ज्ञान की इस परंपरा ने चिंतन को आगे बढ़ाने का काम किया था। काशी के विश्वविद्यालय जगविख्यात रहे हैं। प्रयागराज की धरती—वहां के कुंभ की परंपरा केवल एक आयोजन—महोत्सव नहीं है, भारत की ज्ञान परंपरा की चिंतन की वह स्थली रही है, जहां पर देश भर से ऋषि—मुनि जुड़ते थे। इसी उत्तर प्रदेश में मुजफ्फरनगर में शुक्रतीर्थ में श्रीमद्भागवत महापुराण की पहली कथा का वाचन भी होता है।

इस नौ दिवसीय पुस्तक महोत्सव में पुस्तक प्रदर्शनी के साथ साहित्यिक संवाद, सांस्कृतिक कार्यक्रम, बाल गतिविधियां, कार्यशालाएं और तकनीक से जुड़े आयोजन किये जायेंगे।

राज्यपाल आनंदीबेन पटेल की अध्यक्षता में कल जन भवन, उत्तर प्रदेश और छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय, कानपुर के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय एआई मंथन टू प्वाइंट जीरो का शुभारंभ विश्वविद्यालय परिसर स्थित वीरांगना रानी लक्ष्मीबाई सभागार में हुआ। कार्यक्रम में कृत्रिम बुद्धिमत्ता के विभिन्न आयामों, शिक्षा, शोध, स्वास्थ्य, कृषि, शासन, रोजगार और तकनीकी विकास में इसकी संभावनाओं सहित विश्वविद्यालय प्रशासन में एआई की उपयोगिता पर देशभर से आए विशेषज्ञों व शिक्षाविदों द्वारा विचार—विमर्श किया गया।

प्रदेश के कई जिलों में रुक—रुक कर बारिश का सिलसिला जारी है। मौसम विभाग ने अगले तीन दिनों तक प्रदेश के कई हिस्सों में गरज चमक के साथ बौछारें पड़ने का अनुमान जताया है। वहीं बारिश और बैराजों से पानी छोड़े जाने के कारण प्रदेश की कई नदियां उफान पर हैं। फर्रुखाबाद, बलिया में गंगा नदी, शाहजहांपुर में रामगंगा और अयोध्या, बाराबंकी व तुरतीपार में घाघरा नदी खतरे के निशान से ऊपर बह रही हैं। बाराबंकी के जिलाधिकारी ईशान प्रताप सिंह ने तहसील रामनगर में सरयू नदी के कटान से प्रभावित ग्राम हेतमापुर पहुंचकर स्थिति का निरीक्षण किया।
